

वर्ष : 2 अंक : 5 ( वॉल्यूम-II ) जुलाई-सितम्बर 2017

ISSN 2347-6605



# वाक् सुधा

## VAAK SUDHA

**MULTI DISCIPLINE RESEARCH JOURNAL  
IN MULTI LANGUAGE**

**AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL**

[www.vaaksudha.com](http://www.vaaksudha.com)

|                                                            |       |
|------------------------------------------------------------|-------|
| जन आकांक्षाओं से जुड़ी शायरी .....                         | 193   |
| डॉ. अनिल कुमार सिंह                                        |       |
| आधुनिक परिप्रेक्ष्य में आयुर्वेद की उपादेयता .....         | 199   |
| डॉ. धनपति कश्यप                                            |       |
| साहित्य और सिनेमा का संबंध .....                           | 202   |
| डॉ. चित्रा सिंह                                            |       |
| प्रेमचंद के उपन्यासों में धर्मनिरपेक्ष समाज                |       |
| की संकल्पना .....                                          | 206   |
| डॉ. सुनीता खुराना                                          |       |
| समकालीन हिंदी कहानी के बड़े-बुजुर्ग .....                  | 209   |
| रीनू गुप्ता                                                |       |
| हिंदी आलोचना में 'राग दरबारी' .....                        | 216   |
| डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी                                  |       |
| भारतीय भाषाओं में दलित स्त्री काव्य .....                  | 220   |
| डॉ. सुनीता खुराना                                          |       |
| भोजपुरी लोकगीतों में स्त्री-स्वर .....                     | 224   |
| डॉ. संगीता राय                                             |       |
| हिन्दी साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक विषमताएं ....         | 229   |
| डॉ. आशा रानी                                               |       |
| राजेन्द्र यादव का दलित संबंधी दृष्टि .....                 | 236   |
| डॉ. चन्द्रशेखर राम                                         |       |
| ✓ आपका बंटी में चित्रित सामाजिक समस्या .....               | 241 ✓ |
| डॉ. राम किशोर यादव                                         |       |
| स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में मनोवैज्ञानिक चित्रण . | 245   |
| डॉ. देव कुमार                                              |       |